सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप अच्छा बना नहीं सकते तो कम से कम ऐसा करिए कि वो अच्छा दिखे।
-बिल गेट्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 160 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 17 जुलाई, 2023

अल्कराज विंबलडन के नए सरताज... 7 | महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव पर सियासी... 3 | राजभर जहां से लड़ेंगे जमानत होगी... 2

मुख्तार अंसारी के बेटे के एनडीए में शामिल होने के बाद क्या होगा योगी के दावों का

» सुभासपा ने कहा-अब्बास फैसला लेने को स्वतंत्र

» विपक्ष ने पूछा- क्या अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सियासत में उतार-चढ़ाव जारी है। 22 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से अलग होकर समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ चुनाव लड़ने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) 2024 चुनाव से पहले एकबार फिर बीजेपी की गोद में बैठ गई है। अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है जो लोग उनके सिंबल पर चुनाव लड़ थे पर उनकी विचारधारा भाजपा से अलग थी वह क्या एनडीए की लीडरशीप स्वीकार करेंगे? सबसे बड़ा सवाल मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को लेकर है।

क्या वे राजभर के इस फैसले के साथ रहेंगे या नहीं। इससे बड़ी बात चर्चा में ये है कि मुख्यमंत्री योगी का रुख क्या होगा। गौरतलब हो कि जबसे योगी सरकार प्रदेश में आई है मुख्तार व उनके परिवार पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। अंसारी के अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चल रहे हैं। लोगों के बीच में सुगबुगाहट हो रही है कि क्या अब योगी सरकार अंसारी परिवार पर नरमी बरतेगी।

भाजपा के लिए आसान नहीं है राह

चूंकि सरकार के माफिया विरोधी अभियान में अब्बास के पिता मुख्तार पर सरकार ने शिकंजा कस रखा है। अब्बास पर भी शत्रु संपत्ति पर कब्जा करने, भड़काऊ भाषण देने, शस्त्र लाइसेंस पर प्रतिबंधित बोर के असलहे खरीदने और मनी लांड्रिंग एक्ट का मुकदमा दर्ज है और जांच चल रही है। ऐसे में भाजपा अब्बास को लेकर क्या रुख अपनाएगी, इस पर लोगों की नजर है।

ईडी के छापे के बाद राजभर ने कहा था-अब्बास हमारे नहीं सपा के

ईडी ने नवंबर, 2022 को जब गिरफ्तार कर जेल भेजा था तो उस समय ओमप्रकाश राजभर ने भी कहा था कि अब्बास अंसारी हमारे नहीं सपा के हैं। मुझे खत्म करने के लिए सपा मुखिया ने चाल चली थी, सपा ने डमी प्रत्याशियों को टिकट दिलवा कर हमें खत्म करने का प्रयास किया था, सपा से समझौते में 12 सीटें दी गईं, उसी में अब्बास थे और सिंबल हमारा था। राजभर ने कहा था कि अब्बास सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं।

जेल में बंद है अब्बास

अब बदले सियासी समीकरण में सबकी नजर अब्बास अंसारी के अगले कदम पर टिक गई है। हालांकि जेल में बंद होने के कारण अब्बास की तरफ से कोई प्रतिक्रिया तो सामने नहीं आई है। पर, सुभासपा के महासचिव अरुण राजभर का कहना है कि तकनीकी तौर पर तो सभी छह विधायक सुभासपा के ही विधायक हैं, लेकिन किसको किसके साथ रहना है वह खुद तय करेंगे।

ओमप्रकाश व दारा सिंह बन सकते हैं कैबिनेट मंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर कैबिनेट मंत्री बनाए जाएंगे। सपा छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल होने जा रहे दारा सिंह चौहान को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी। पार्टी के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक सुभासपा से हुए गठबंधन की शर्त के तहत ओमप्रकाश राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। उन्हें सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय की कमान भी मिल सकती है। अगले वर्ष होने वाले विधान परिषद चुनाव में सुभासपा के एक कार्यकर्ता को परिषद में सदस्य भी बनाया जाएगा। पूर्वांचल के चौहान (नोनिया) वोट बैंक पर मजबूत पकड़ रखने वाले दारा सिंह को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। योगी मंत्रिमंडल में फिलहाल मुख्यमंत्री सहित 52 मंत्री हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार में ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह के अतिरिक्त भाजपा के भी एक-दो पूर्व मंत्रियों को फिर से सरकार में जगह मिल सकती है। वहीं आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जातीय संतुलन के लिए एक-दो नए चेहरे भी मंत्रिमंडल में जगह पा सकते हैं।

माफिया के खिलाफ अभियान का क्या होगा

सुभासपा के एनडीए में शामिल होने के निणर्य के बाद सीएम योगी को विपक्ष ने घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष ने पूछा है कि अब माफिया के खिलाफ अभियान का क्या होगा, क्या अब सारे अवैध काम वैध हो जाएंगे। बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा से गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली सुभासपा के सिंबल पर सपा के तीन नेताओं को चुनाव लड़ाया गया था। इनमे जगदीश नारायण राय जफराबाद से, महदेवा से दूधराम और मऊ सदर से अब्बास अंसारी शामिल हैं। ये तीनों विधायक अपने वाहनों पर सपा का ही झंडा लगाते हैं। इसलिए इनको अभी भी सपा खेमे का ही माना जाता है।

जहां राजभर वहीं हम : विधायक जगदीश नारायण व दूधराम

सुभासपा के सिंबल पर चुनाव लड़कर विधायक बने सपा नेता जगदीश नारायण और दूधराम का कहना है कि वे पूरी तरह से ओमप्रकाश राजभर के फैसले के साथ हैं। जगदीश नारायण ने कहा कि अगर उन्हें सरकार में शामिल होने के लिए कहा जाएगा तो जरूर शामिल होंगे। महादेवा सुरक्षित सीट से विधायक दूधराम ने कहा कि सपा-सुभासपा गठबंधन के तहत उन्हें सुभासपा के टिकट पर लड़ाया गया। अब ओमप्रकाश राजभर जहां जाएंगे, वहीं जाएंगे। ओमप्रकाश राजभर से मिलकर भविष्य की रणनीति तय करेंगे। जाफराबाद (जौनपुर) से विधायक जगदीश नारायण ने भी कहा कि वे पार्टी के फैसले के साथ रहेंगे। यहां बता दें कि हाल ही में एक सवाल के जवाब में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि जब भी चाहेंगे, राजभर की पार्टी के विधायक आधे रह जाएंगे। अब्बास के अलावा पूर्व मंत्री धर्म सिंह सैनी को लेकर भी पेंच फंसा है। पूर्व मंत्री का नाम बहुचर्चित आयुष दाखिला घोटाले में आ चुका है। वर्ष 2019 में भाजपा सरकार में मंत्री रहने के दौरान उन पर कॉलेज संचालकों से 1.25 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। धर्म सिंह सैनी पर लगे आरोप की जांच का हाईकोर्ट ने आदेश भी दिया था, हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी । इस वजह से भी सैनी को भाजपा में शामिल कराने को लेकर संशय बना हुआ है।

पूर्वांचल में भाजपा की चुनावी राह आसान करेगी सुभासपा

भाजपा और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बीच हुआ गठबंधन लोकसभा चुनाव 2024 में प्रदेश के पूर्वांचल की डेढ़ दर्जन से अधिक सीटों पर भाजपा की राह आसान करेगा। वहीं प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बसपा को झटका लगेगा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव-2024 में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भी पार्टी को पिछड़े वर्ग की प्रमुख कुर्मी, राजभर, निषाद, जाट, मौर्य, शाक्य, सैनी, कुशवाहा, लोधी वोट बैंक की आवश्यकता है। कुर्मी वोट बैंक के लिए भाजपा ने अपना दल (एस) से गठबंधन है, निषाद वोट बैंक के लिए निषाद पार्टी से गठबंधन है। मौर्य, शाक्य, सैनी, कुशवाहा और लोधी समाज को भाजपा का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। ऐसे में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती राजभर समाज के वोट बैंक हासिल करना है।

राजभर जहां से लड़ेंगे जमानत होगी जब्त : शिवपाल

» कहा- उनपर कोई भरोसा नहीं कहां चले जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सावन के महीने राजनीति की बौछार पूरे जोरों पर सियासत को भिगो रही है। सुभासपा के एनडीए में शामिल होने के बाद सपा ने पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर जमकर निशाना साधा है। सपा महासचिव व वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा कि सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का कोई ठिकाना स्थायी नहीं है। कब और कहां चले जाएं, उनका कोई भरोसा नहीं है। भविष्य में जहूराबाद से भी उनकी जमानत जब्त होगी।

जहां से लड़ेंगे, वहीं से हारेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राजभर मायावती को प्रधानमंत्री बना रहे थे। उस पहले भाजपा के एक बड़बोले नेता कह रहे थे कि सपा समाप्त, लेकिन वह कौशाम्बी से हमसे चुनाव हार गए। उधर ओमप्रकाश राजभर का कोई वजूद न होने से संबंधित सपा नेता शिवपाल के बयान पर सुभासपा के महासचिव अरुण राजभर ने तीखा पलटवार किया है। ट्वीट के जरिए शिवपाल पर हमाला बोलते हुए अरुण ने कहा कि जिसने शिवपाल को जलील किया, वह अब उसी के साथ चिपक गए हैं। फिर भी सपा में उनका कोई वजूद नहीं है। अरुण ने कहा कि सुभासपा अध्यक्ष के जमानत जब्त होने की बात कहने वाले शिवपाल को अब सपा के वजूद की चिंता करनी चाहिए। आगामी लोकसभा चुनाव में पिछड़े, दलित, गरीब, अल्पसंख्यक मिलकर सभी सीटों पर सपा की जमानत जब्त कराएंगे। अरुण ने कहा कि चार बार सरकार बनाने वाली सपा ने अति पिछड़ों, अति दलितो और मुसलमानों का सिर्फ इस्तेमाल किया, लेकिन भागीदारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि देश की जनता एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर आगे बढ़ेगी।

जयंत ने स्थिति स्पष्ट नहीं की

रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अभी एनडीए में शामिल होने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जयंत 17 जुलाई को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने भी जा रहे हैं।

बेंगलुरू बैठक में शामिल होंगे अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी गठबंधन की बैठक में सहयोगियों के साथ हिस्सा लेंगे। कांग्रेस ने सपा और रालोद के साथ ही अपना दल कमेरावादी को भी 17 व 18 जुलाई को होने वाली इस बैठक के लिए न्यौता भेजा है। इस बार अखिलेश के साथ सपा के अन्य प्रमुख नेताओं के भी बैठक में शामिल होंगे। इसमें कांग्रेस नेता और यूपी के रायबरेली से सांसद सोनिया गांधी भी शामिल होंगी। कांग्रेस नेतृत्व का प्रयास है कि भाजपा विरोधी सभी छोटी-बड़ी ताकतें भाजपा को हराने वाले इस अभियान में शामिल हों। ताकि, जनता को मनोवैज्ञानिक स्तर पर संदेश दिया जा सके कि भाजपा को हराना मुमकिन है। इस बार अखिलेश यादव भी सपा के कई अन्य नेताओं के साथ इस बैठक में हिस्सा लेंगे, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि भाजपा को हराने के लिए सपा इस विपक्षी गठबंधन के साथ पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। यहां बता दें कि बीच में अखिलेश यादव के बैठक में हिस्सा न लेने की चर्चा चली थी, लेकिन सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बैठक में भागीदारी करेंगे। लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को हराने के हर अभियान का हम हिस्सा हैं। अपना दल (कमेरावादी) के महासचिव पंकज निरंजन ने कहा कि बेंगलुरु में होने वाली बैठक में शामिल होने का हमे न्यौता मिला है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल इस बैठक में शामिल होंगी। अखिलेश यादव अपने पार्टी के पिछड़े वर्ग के प्रमुख चेहरों के साथ बेंगलुरु बैठक में शामिल होंगे। इनमें पूर्व मंत्री व विधायक रामअचल राजभर व लालजी वर्मा, सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और मुख्य प्रवक्ता व एमएलसी राजेंद्र चौधरी शामिल हैं।

किसान भारत की ताकत : राहुल

» उनसे हल हो सकती हैं कई समस्याएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि किसान भारत की ताकत हैं और अगर हम उनकी बात सुनें और उनके दृष्टिकोण को समझें तो देश की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। गांधी ने 8 जुलाई को सोनीपत के मदीना गांव में धान के खेतों की अपनी यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया परलगभग 12 मिनट के वीडियो में उन्हें किसानों और उनके परिवारों के साथ बातें करते, खेतों की जुताई करते, धान रोपते और बाद में किसानों के साथ चारपाई पर खाना खाते दिखाया गया है। कांग्रेस नेता ने वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, किसान भारत की ताकत हैं। सोनीपत, हरियाणा में मेरी मुलाकात दो किसान भाइयों, संजय मलिक और तसबीर कुमार से हुई।

शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को गांधीनगर में सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने स्कूल से कौशल तक सभी क्षेत्रों में भागीदारी पर सार्थक बातचीत की। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने रविवार को कहा कि गुजरात के गांधीनगर में कंट्रोल एंड कमांड सेंटर को न केवल देश के अन्य हिस्सों में, बल्कि दुनियाभर में नेतृत्व के एक मॉडल के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

बाढ़ के लिए केजरीवाल जिम्मेदार

» एलजी ने कहा- दो साल से नहीं हुई एपेक्स कमेटी की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली बाढ़ की वजह से कराह रही पर वहां पर उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर रूकने का नाम नही ले रहा है। उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उसने कहा है कि राजधानी में बाढ़ से निपटने लायक बुनियादी ढांचे को तैयार करने के लिए दो साल से एपेक्स कमेटी की बैठक ही नहीं हुई। इस कारण बिना रणनीति तैयार किए राजस्व विभाग बाढ़ रोकने में जुटा हुआ है।

सूत्रों का कहना है कि अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री दिल्ली में आई बाढ़ के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि वे खुद इसके लिए दोषी हैं। दिल्ली में बाढ़ नियंत्रण और बचाव के लिए एपेक्स कमेटी की बैठक होनी चाहिए। यह बैठक जून के अंत तक हर हाल में हो जानी चाहिए, लेकिन मुख्यमंत्री ने दो साल से बैठक ही नहीं बुलाई। बिना बैठक के ही राजस्व विभाग की एक फाइल आगे बढ़ा दी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली इस हाई पावर कमेटी में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, सांसद, चार विधायक, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, डीडीए के उपाध्यक्ष, एमसीडी कमिश्नर, एनडीएमसी के चेयरमैन, सीईओ-डीजेबी जीओसी, भारतीय सेना, केंद्र सरकार के अधिकारी सहित अन्य शामिल होते हैं। ये कमेटी बाढ़ के खतरे व अन्य का आंकलन कर तैयारियां करती हैं। मंडलायुक्त ने जून में मुख्यमंत्री से सुझाव देने का अनुरोध किया।

भाजपा की कार्यप्रणाली से लोग परेशान

» पूरे देश की जनता कांग्रेस की ओर देख रही है: खाबरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश बृजलाल खाबरी ने कहा है कि प्रदेश ही नहीं पूरे देश की जनता कांग्रेस की ओर से देख रही है। उत्तर प्रदेश में हर दल के लोग कांग्रेस की सदस्यता ले रहे हैं। लोगों को जोड़ने के लिए पार्टी निरंतर अभियान चला रही है। प्रदेश कार्यालय में विभागवार बैठकें चल रही हैं। जिलेवार सम्मेलन के जरिए बूथ कमेटियों को सक्रिय किया जाएगा।

कांग्रेस के प्रदेश संगठन सचिव अनिल यादव का कहना है कि भाजपा की कार्यप्रणाली से आजिज आए हर वर्ग के लोग कांग्रेस की ओर देख रहे हैं। लोगों को यह पता है कि भाजपा से संघर्ष की कूवत कांग्रेस में ही है। यही वजह है कि सपा और बसपा के तमाम नेताओं के पैर कांग्रेस की ओर बढ़ रहे हैं। वे धीरे-धीरे कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। विभिन्न जिलों में तमाम नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने की इच्छा जताई है। ऐसे में जिलेवार सम्मेलन करके इन सभी को पार्टी से जोड़ने की रणनीति बनाई गई है। अगस्त माह में इसका शुरुआत होगी।

पिछड़ों व अति पिछड़ों को करेंगे एकजुट

उत्तर प्रदेश कांग्रेस चुनाव के मोड में आ गई है। इस बार उसका फोकस पिछड़े और अति पिछड़े समाज से आने वाले वोटर हैं। यूपी कांग्रेस अगले माह से जिलेवार सम्मेलन शुरू करेगी। इसमें पिछड़ों एवं अति पिछड़ों को जोड़ने की मुहिम चलाई जाएगी। हर सम्मेलन में कम से कम 500 लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाएगी। अगस्त माह से इसकी शुरुआत होगी। इसके लिए सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है। उनसे सम्मेलन की रूपरेखा बनाने के लिए कहा गया है। कांग्रेस कमेटी की ओर से लगातार विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पार्टी की ओर से संविधान बचाओ संकल्प सभा की शुरुआत कर दी गई है। यह जौनपुर, प्रयागराज सहित विभिन्न जिलों में चल रही है। पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से मंडलीय सम्मेलन और अल्पसंख्यक विभाग की ओर से दलित बस्तियों में चाय पर चर्चा अभियान चलाया गया। अब जिलेवार सम्मेलन की तैयारी शुरू हो गई है। इस सम्मेलन के जरिए पिछड़ों एवं अति पिछड़ों को जोड़ने की रणनीति अपनाई जा रही है।

एमपी में आदिवासियों पर अत्याचार आम बात

» भूरिया ने कहा- आदिवासी स्वाभिमान यात्रा निकालेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले प्रदेश की सत्ता बिगाड़ने और बनाने में अहम आदिवासी वोटरों को साधने के लिए कांग्रेस स्वाभिमान यात्रा निकालने जा रही है। इसकी शुरुआत सीधी जिले से होगी। 19 जुलाई को प्रारंभ होने वाली यात्रा का समापन झाबुआ में सात अगस्त को होगा। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा है कि आदिवासियों पर अत्याचार अब आम घटना की तरह रह गया है।

उन्होंने सीधी की घटना, इंदौर में दो आदिवासियों को कमरे में बंद करके बेरहमी से पीटने की घटना का हवाला देकर कहा कि दबंगों के हौंसले इतने बुलंद हैं एक तरफ अत्याचार कर रहे हैं तो उसका वीडियो भी खुद ही बना रहे हैं। भूरिया ने कहा कि कुछ महीनों पहले ही महू में पुलिस की गोली से आदिवासी युवक ने अपनी जान गंवाई थी। प्रदेश सरकार के सामने आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ रहा है। अब कांग्रेस ने तय किया है कि अब वह सड़क पर उतरकर प्रदेशभर के आदिवासी भाई-बहनों के बीच जाएगी। उन्हें इस बात से पुन: अवगत कराया जाएगा कि यह वही सरकार है जो आपको आदिवासी मानने से इनकार करती है और आपको वनवासी होने का तमगा देना चाहती है। यह वही सरकार है जो लगातार आदिवासी हितों के लिए बनाए गए ''पेसा'' कानून को कमजोर करने का प्रयत्न कर रही है।

17 जिलों के 36 विधानसभा क्षेत्रों से निकलेगी यात्रा

कांग्रेस की आदिवासी स्वाभिमान यात्रा 17 जिलों के 36 विधानसभा क्षेत्रों से निकलेगी। यात्रा का नेतृत्व युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया और कांग्रेस अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष रामू टेकाम करेंगे। इस यात्रा में कांग्रेस नेता समाज के लोगों को सीधी पेशाब कांड का वीडियो दिखाएंगे। उन्हें सीधी समेत आदिवासियों पर प्रदेश में हो रहे अत्याचारों के बारे में बताएंगे। यात्रा का एक दिन 30 जुलाई को हॉल्ट रहेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आदिवासी वोटरों को साधने में जुटे हुए है।

झूठ और छल की यात्रा कर रही कांग्रेस : वीडी शर्मा

भोपाल। भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि केवल झूठ और छल की यात्राएं है। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने देश में 55 सालों से अधिक राज किया, लेकिन जनजातीय भाईयों और बहनों के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। केवल झूठ बोलकर वोट बैंक की राजनीति जनजातीय वर्ग के साथ हुई। आज कांग्रेस चुनाव आते ही आदिवासी यात्राएं निकाल रही है, यह यात्राएं केवल झूठ और छल फैलाने की यात्राएं हैं, लेकिन मध्यप्रदेश के जनजातीय बंधु कांग्रेस के इस भ्रम में नहीं आने वाले। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 15 महीने मिस्टर बंटाढार के इशारे पर कमलनाथ सरकार चली, उन्होंने मध्यप्रदेश के जनजातीय बंधुओं के हित और अधिकारों का हनन किया। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव आदिवासियों के हित की योजनाओं को साकार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाकर इस वर्ग का सम्मान बढ़ाया, तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पेसा एक्ट लागू कर उनको हक और अधिकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ की गारंटी देती है।

महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव पर सियासी नजर

लंबी खींचतान के बाद शिंदे ने बांटे विभाग

- भाजपा हर हाल में जीतना चाहती 45 सीटें
- महाविकास अघाड़ी से घबराई बीजेपी
- एनसीपी-शिवसेना भी रणनीति बदेलगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भाजपा ने शिवसेना के नेता व सीएम एकनाथ शिंदे की चिंता को दरकिनार करते हुए महाराष्ट्र में अजित पावर को वहां की खजाने की चाबी सौंप दी। इस फैसले को लेने में तेरह दिन लग गए सूत्रों से ऐसी खबर मिल रही थी इसको लेकर भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) व एनसीपी (अजित पवार गुट)में खींचतान चल रही थी। आखिरकार दिल्ली के हस्तक्षेप के बाद सरकार में विभागों का बंटवारा हो गया।

अब तक यह विभाग राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास था। इस फैसले के बाद वहां की सियासत में एकनाथ शिंदे के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। अंदर खाने से यह भी जानकारी मिल रही है कि आने वाले समय में भाजपा एकनाथ शिंदे की शिवसेना से किनारा कर सकती है। हालांकि दोनों पार्टियों ने इस तरह की खबरों को खारिज कर दिया है। सूत्रों का कहना है सारी कवायद लोक सभा चुनाव के मद्देनजर हो रही है भाजपा हर हाल में महाराष्ट्र में 48 सीटों पर कब्जा जमाना चाहती है। उधर शरद पवार व उद्धव ठाकरे भी नई रणनीति बनाने पर विचार कर रहे हैं ताकि भाजपा को 24 में चित किया जा सके।

अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी एनसीपी को

महाराष्ट्र में फिलहाल बीजेपी 105 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। बावजूद इसके हुए विभागों के बंटवारे में कई अहम मंत्रालय जो अब तक बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट के पास थे। उन्हें सरकार में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खेमे को दे दिए गए। जिसमें सबसे अहम मंत्रालय वित्त विभाग रहा। अजित पवार और उनके समर्थक विधायकों के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद से वित्त विभाग को लेकर खींचतान थी। राज्य की सियासत में इस बात की चर्चा थी कि एकनाथ शिंदे गुट यह नहीं चाहता था कि वित्त विभाग अजित पवार को मिले। इसके अलावा वित्त विभाग देवेंद्र फडणवीस के पास था। ऐसे में बीजेपी के नेता भी यह नहीं चाहते थे कि राज्य के तिजोरी की चाभी किसी अन्य दल को मिले। एकनाथ शिंदे गुट उद्धव ठाकरे से जिन मुद्दों को लेकर अलग हुआ था। उसमे एक यह भी था कि पिछली सरकार में भी अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय था लेकिन उन पर तब शिवसेना (अविभाजित) के विधायक यह आरोप लगाते थे कि उन्हें इलाके में विकास के लिए फंड नहीं दिया जा रहा है। जबकि एनसीपी के विधायकों को आसानी से फंड दिया जा रहा था। ऐसे में कई सारे सवाल हैं जो ?िलहाल लोगों के मन हैं। मसलन महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी शिवसेना और एनसीपी का छोटा भाई क्यों बन रही है? इसके अलावा महाराष्ट्र में इतना उदार बनकर कौन सा खेल खेल रही है बीजेपी? जो वित्त, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल मंत्रालय एनसीपी को सौंप दिया।

अभी और होगा विस्तार

किसी नये मंत्री को सरकार में शामिल नहीं किया गया और इस तरह की अपुष्ट खबरें मिलीं हैं कि 17 जुलाई को मुंबई में शुरू हो रहे महाराष्ट्र विधानसभा के मॉनसून सत्र के बाद मंत्रिमंडल विस्तार होगा। अजित पवार ने करीब दो सप्ताह पहले शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा से अलग होकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। महाराष्ट्र सरकार में अब 28 कैबिनेट मंत्री हैं, लेकिन कोई राज्य मंत्री नहीं हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। शिवसेना के मंत्रियों को न केवल अजित पवार को वित्त मंत्रालय सौंपे जाने से निराशा हो सकती है, बल्कि राकांपा नेताओं के लिए कुछ कैबिनेट मंत्रियों को अपने विभाग छोड़ने भी पड़े हैं। इनमें शिंदे नीत शिवसेना के सत्तार तथा भाजपा के मंगल प्रभात लोढ़ा हैं।

महाविकास अघाड़ी पर रही थी भारी

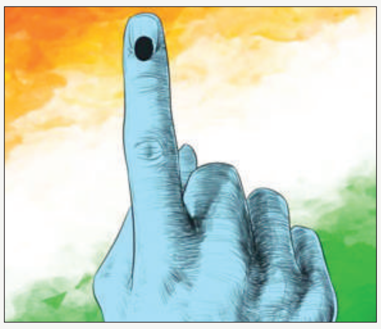

अगले साल देश में लोकसभा के चुनाव होने हैं। सीटों के लिहाज से उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र दूसरा बड़ा राज्य है जहां लोकसभा की 48 सीटें हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए 45 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। लेकिन इतनी सीटें जीत पाना शिंदे-बीजेपी गठबंधन के लिए आसान नहीं लग रहा था। इसकी सबसे वजह थी कुछ सर्वे जिसमें एनसीपी में फूट के पहले महाविकास अघाड़ी को सबसे ज्यादा सीटें लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मिलती हुई दिखाई पड़ रही थी। इस सर्वे ने बीजेपी की नींद उड़ा दी थी। उन्हें लोकसभा चुनाव का विजय रथ रुकता हुआ नजर आ रहा था। इसके अलावा कस्बा पेठ के उपचुनाव में बीजेपी ने 28 साल बाद हार का मुंह देखा था। ऐसे में बीजेपी को यह समझ में आ चुका था कि अगर महाविकास अघाड़ी को कमजोर नहीं किया गया तो राज्य में उनके लिए मुसीबत ख?ी हो सकती है। बीते उपचुनाव में एकनाथ गुट से बीजेपी को खास फायदा नहीं हुआ था। इसके अलावा पंचायत चुनाव में भी एमवीए सबसे ज्यादा सीटें जीत रही थी। हालांकि, इन सबके बावजूद बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी थी लेकिन लोकसभा चुनाव में एक और सहयोगी की जरुरत थी जो आगामी चुनाव में बीजेपी की नैया पार करा सके।

स्थानीय समीकरण को ध्यान में रखकर बनाए मंत्री

मुख्यमंत्री शिंदे ने खुद पांच मंत्रालय छोड़े हैं जिनमें लोक निर्माण विभाग, विपणन, आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास, मृदा तथा जल संरक्षण और अल्पसंख्यक विकास विभाग हैं। लोक निर्माण विभाग का प्रभार शिवसेना के दादा भुसे को दिया गया वहीं मृदा तथा जल संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी संजय राठौड़ के पास होगी। राठौड़ इससे पहले खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग देख रहे थे जिसका प्रभार अब राकांपा के धर्मराव बाबा अत्राम को सौंपा गया है। अब्दुल सत्तार अब कृषि मंत्री की जगह अल्पसंख्यक विकास और विपणन मंत्री होंगे। छगन भुजबल को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। भाजपा नेता लोढ़ा के पास तीन विभागों की जिम्मेदारी थी जिनमें महिला और बाल विकास, पर्यटन और कौशल एवं उद्यमिता हैं। इनमें से महिला और बाल विकास विभाग राकांपा की अदिति तटकरे को दिया गया है, वहीं पर्यटन मंत्री के रूप में भाजपा के गिरीश महाजन काम करेंगे। शिंदे मंत्रिमंडल में सबसे धनवान मंत्री लोढ़ा को 2022 में भाजपा-शिवसेना सरकार बनने के बाद पहली बार मंत्री बनाया गया था। उनके कुछ फैसले और बयानों से विवाद भी पैदा हुआ था। वह कौशल एवं उद्यमिता विभाग का काम देखते रहेंगे। शिवसेना के दादा भुसे लोक निर्माण विभाग का कामकाज देखेंगे, जो पहले मुख्यमंत्री शिंदे के पास था। भुसे पहले पत्तन विकास विभाग का काम देख रहे थे, जिसे अब राकांपा नेता संजय बनसोडे को दिया गया है। बनसोडे खेल और युवा मामलों के विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। राकांपा नेता अनिल पाटिल अब राज्य के राहत, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री होंगे। भाजपा नेता अतुल सावे अब आवास विकास मंत्री के रूप में सरकार में काम करेंगे। उनके पास पहले अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य पिछड़ा कल्याण तथा सहकारिता विभाग का प्रभार था। फडणवीस ने वित्त और योजना मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़ी है जिसे अब पवार संभालेंगे।

फडणवीस की कद से छेड़छाड़ नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के पास गृह, ऊर्जा, जल संसाधन, विधि और न्यायपालिका जैसे महत्वपूर्ण विभाग रहेंगे। लोक निर्माण विभाग और खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालयों का कामकाज देख रहे भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण के पास अब केवल लोक निर्माण विभाग मंत्रालय (सार्वजनिक उपक्रमों के अतिरिक्त) बचा है। ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा चिकित्सा शिक्षा जैसे दो महत्वपूर्ण मंत्रालय पहले फडणवीस के करीबी सहयोगी गिरीश महाजन के पास थे। शुक्रवार को हुए विभाग वितरण में राकांपा नेता हसन मुशरिफ को चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय दिया गया है। मुशरिफ महा विकास आघाड़ी सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री थे। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि अब शिवसेना के उन विधायकों से बदला लिया जा रहा है जिन्होंने जून 2022 में उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत की थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विदेशी संबंधों का मिलता रहे लाभ

> वर्तमान वह यूरोप व मध्य एशिया के दौरे पर जहां से वह भारत के लिए मजबूत रिश्ते जोड़ेंगे जो आने वाले समय में लाभ पहुंचा सकते हैं। हलांकि उनकी यात्रा पर भारत में आलोचना भी हो रही क्योंकि देश के कई हिस्सों में मानसूनी बारिध की वजह से बाढ़ आई हुई है व पूर्वोत्तर के महत्वपूर्ण राज्य मणिुपर में हिंसा फैली है।

प्रधानमंत्री का विदेशी दौरा जारी है। फ्रांस से लौटने के बाद वह यूएई पहुंचे गए हैं। फ्रंास के नेशलन डे पर वह मुख्य अतिथि थे। वहा पर उनका सम्मान भी किया उसके बाद उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और उन्नत हथियारों के सौदे पर मुहर लगाई। वहां की यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी यूनाईटेड अरब अमिरा पहुंच गए जहां पर उनका भव्य स्वागत किया। इससे पहले वह अमेरिका गए थे वहां से वह मिस्त्र के दौर पर गए थ। वर्तमान वह यूरोप व मध्य एशिया के दौरे पर जहां से वह भारत के लिए मजबूत रिश्ते जोड़ेंगे जो आने वाले समय में लाभ पहुंचा सकते हैं। हलांकि उनकी यात्रा पर भारत में आलोचना भी हो रही क्योंकि देश के कई हिस्सों में मानसूनी बारिध की वजह से बाढ़ आई हुई है व पूर्वोत्तर के महत्वपूर्ण राज्य मणिुपर में हिंसा फैली है। हालांकि विदेशी दौर पहले से बने होते हैं जिन्हे बहुत महत्वपूर्ण कारणों से ही रद किया जा सकता है वरना उनका पूरा करना जरूरी होता है।

उधर भारत व यूएई के बीच एनर्जी, फूड सिक्योरिटी, डिफेंस जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। दोनों देश रणनीतिक साझेदार एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा जी-20 के एजेंडे को लेकर भी बातचीत होगी। नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनने के बाद ये यूएई का 5वां दौरा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर फ्रांस में हैं। आज बैस्टील डे परेड प्रोग्राम में वह गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर शामिल होंगे। यह यात्रा इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों का यह 25वां साल है। द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में यह बात याद की जा सकती है कि फ्रांस ने भारत को उस समय समर्थन दिया था, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद भारत पर प्रतिबंध लगाए जाने का फ्रांस ने विरोध किया था। इस पॉजिटिव पॉइंट से दोनों देशों के रक्षा संबंध आगे ही बढ़ते गए। फ्रांस भारतीय सेना को आधुनिक लड़ाकू जेट और पनडुब्बियों जैसे महत्वपूर्ण साजो-सामान की आपूर्ति करता रहा। 2018 से 2022 के बीच फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा डिफेंस सप्लायर बन गया। आज की तारीख में देश के कुल रक्षा आयात का 29 फीसदी फ्रांस से ही होता है। पीएम मोदी की मौजूदा यात्रा इस मायने में अहम मानी जा रही है कि इसमें 26 राफेल मरीन फाइटर जेट्स और तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद का समझौता हुआ। इसके अलावा भारत और फ्रांस के रिश्तों का एक और अहम पहलू यह है कि भू-राजनीति के हाल के दिनों में बदलते समीकरण भी इन दोनों देशों को करीब ला रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समर्थन-विरोध के बीच उपजे यक्ष प्रश्न

केएस तोमर

संसद की कानून और न्याय समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद सुशील मोदी और स्वास्थ्य राज्यमंत्री एसपी बघेल ने केंद्र सरकार से जनजातीय लोगों को यूसीसी से बाहर रखने की मांग उठाने पर साफ कर दिया है कि 2024 लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा इस मांग को स्वीकार कर सकती है। पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह बयान दे चुके हैं कि धारा 371 के अंतर्गत आने वाले पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासियों की सदियों पुरानी परंपराओं की रक्षा आवश्यक है। प्रधानमंत्री पहले ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटा कर संघ के एजेंडे को पूरा कर चुके हैं और राम मन्दिर के विषय में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद मन्दिर का शिलान्यास कर चुके हैं। संघ के एजेंडे में अगला मुद्दा यूनिफॉर्म सिविल कोड है और मोदी सरकार 2024 के चुनावों से पहले इसे भी लागू करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री के इस दावे से कि एक घर में दो कानून नहीं हो सकते, उनकी इस सोच को दर्शाता है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के लागू होने से मुस्लिम महिलाओं से हो रहा अन्याय समाप्त हो जाएगा। उन्होंने इस बिल का विरोध करने वालों को मुस्लिम महिलाओं का विरोधी करार दिया है। उन्होंने इस विषय मे उच्चतम न्यायालय का भी हवाला देते हुए कहा है कि न्यायालय भी यूनिफॉर्म सिविल कोड के पक्ष में है और इसका विरोध नहीं होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की उत्तराखंड सरकार द्वारा न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक वर्ष पहले जो कमेटी बनाई गयी थी उसने यूसीसी पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है जिससे लगता है कि यह पहाड़ी राज्य जल्द ही इस कानून को लागू कर सकता है। इस प्रकार उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य होगा जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा क्योंकि 1867 में गोवा में पुर्तगाली शासकों ने ऐसा कानून लागू किया था। स्वतंत्रता के बाद कुछ बदलाव के साथ यह अभी भी वहां लागू है। भाजपा पुराने सहयोगी अकाली दल को मनाने की रणनीति पर काम कर रही है जो यूसीसी का विरोध कर रहा है।

नियमों के अनुसार सिखों के विवाह का अलग कानून था, पंजीकृत करने का प्रावधान है लेकिन कई राज्यों ने इस सम्बंध में अधिसूचना जारी नहीं की है और इन्हें भी हिन्दू विवाह कानून के अंतर्गत ही पंजीकृत किया जा रहा है। समझा जाता है कि नए कानून में

जनजातीय लोगों के साथ सिखों को भी इस कानून के दायरे से बाहर रखा जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका स्वीकार कर ली है जिसमें मांग उठाई गई है कि राज्यों को निर्देश दिए जाएं कि सिखों के विवाह 1909 के आनन्द कारज विवाह कानून के अंतर्गत ही पंजीकृत किए जाएं। साथ ही 2 जुलाई को सिख पर्सनल लॉ बोर्ड का भी गठन किया है जो यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध करेगा। जहां अधिकांश विपक्षी दल यूसीसी का विरोध कर रहे हैं वहीं आम आदमी पार्टी, शिव सेना, शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट और बहुसंख्यक समाज पार्टी ने इस प्रस्तावित बिल का समर्थन किया है। विपक्ष का मानना है कि इस समय इस बिल को लाने का कारण केवल भाजपा द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों में फायदा उठाना है क्योंकि इस कारण वोटों का ध्रुवीकरण होगा। जून 27 को प्रधानमंत्री ने अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान इस मुद्दे पर ही ध्यान केंद्रित किया था। यह भी समझा जा रहा है कि भाजपा समर्थक कई क्षेत्रीय दल इसका समर्थन करेंगे क्योंकि इस केंद्रीय कानून को कई राज्य ठंडे बस्ते में डाल सकते हैं। भारत में मुस्लिम समुदाय पर 1937 का मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) लागू है और यह समुदाय नए कानून को स्वीकार नहीं कर रहा है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी प्रस्तावित कानून का विरोध कर रहा है क्योंकि इसका मानना है कि नए कानून के लागू होने से समुदाय से वे हक छिन जाएंगे जो उन्हें पुराने कानून के द्वारा मिले हैं। नए प्रस्तावित कानून में बहु विवाह को प्रतिबंधित किया गया है लेकिन केवल मुसलमानों में यह प्रथा चल रही है। उधर विशेषज्ञों का मत है कि नए कानून को अंतिम रूप देने से पूर्व भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर बहु विवाह प्रथा को मुसलमानों समेत सभी समुदायों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कांग्रेस के साथ द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने संसदीय समिति को अपने अलग-अलग विरोध प्रस्ताव भेजे हैं और बिल का विरोध करने का निर्णय लिया है। इन दलों ने 2018 के इक्कीसवें लॉ कमीशन का हवाला दिया है जिसने इस वक्त यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू न करने की बात कही है। स्मरण रहे कि संविधान निर्माता बाबा भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड चाहिए लेकिन अभी इसे निज विवेक पर छोड़ा जाए।

बीमार मानसिकता पर चोट करे समाज

विश्वनाथ सचदेव

मध्य प्रदेश का शर्मनाक 'पेशाब कांड' हमारे समय के इतिहास के किसी पन्ने पर दर्ज होकर भुला दिया गया है, या भुला दिया जायेगा। अर्से से ऐसा ही होता आया है इस तरह की घटनाओं के साथ। ऐसी घटनाएं मीडिया की खबर तो बनती हैं, पर दो-चार दिन चर्चा में रहकर कहीं खो जाती हैं। खो जाती हैं के बजाय खो दी जाती हैं, कहना अधिक समीचीन होगा। शायद इसका एक कारण यह है कि ऐसी घटनाओं के संबंध में चर्चा का आधार घटना तो होती है, घटना के पीछे की मानसिकता पर विचार करने की जरूरत हमारा समाज नहीं समझता। मान लिया जाता है कि समाज में ऐसा कुछ होना एक सामान्य बात है। चिंता ऐसी घटना के बारे में नहीं, इस मानसिकता को लेकर होनी चाहिए।

इस घटना को लेकर एक छोटी-सी खबर छपी है अखबारों में, जिसमें मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी के किसी नेता ने यह कहा है कि पेशाब कांड वाली घटना कांग्रेस के कार्यकाल में हुई थी। शायद नेताजी कहना यह चाहते हैं कि हमारी पार्टी का दामन इस संदर्भ में साफ है। लेकिन सवाल उठता है क्या भाजपा के शासनकाल में बजाय कांग्रेस के शासनकाल में होने से घटना की गंभीरता कम हो जाती है? किसी भी घटना का राजनीतिक लाभ उठाने की ताक में रहने वाले राजनेता, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, यह बात क्यों भूल जाते हैं कि घटना उसी समाज में घटी है जिसमें वह रह रहे हैं, और ऐसी किसी घटना के लिए दोषी वे सब हैं जो ऐसी घटना को घटने देते हैं या फिर ऐसी घटना से चिंतित- व्यथित नहीं होते! आदिवासी समाज के एक व्यक्ति के साथ इस तरह का शर्मनाक व्यवहार होना उन सबके लिए चिंता और पीड़ा का विषय होना चाहिए जो मानवीय संवेदनाओं को जीते हैं और मनुष्य की समानता के सिद्धांत में विश्वास करते हैं। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि घटना किस पार्टी के शासनकाल में हुई थी। घटना कभी भी घटी हो, किसी ने भी ऐसी घटना को अंजाम दिया हो, कलंक का टीका तो उस सारे समाज के माथे पर लगता है जिसमें ऐसी बीमार मानसिकता को पनपने का अवसर दिया जाता है।

हां, ऐसा अवसर दिया जाता है, मिलता नहीं! होना तो यह चाहिए था कि इस कांड को लेकर समाज में कोई स्वस्थ बहस चलती, इस बात को लेकर चिंता महसूस की जाती कि समता और बंधुता को अपना आदर्श मानकर चलने वाले समाज में ऐसी घटनाएं क्यों घटती या घटने दी जाती हैं, क्यों नहीं इन पर रोक लग पा रही, पर हो यह रहा है कि राजनेता एक-दूसरे पर कीचड़ उछाल कर अपने राजनीतिक स्वार्थों की रोटियां सेंकने में लग गये हैं। कांग्रेस के शासनकाल में घटना के घटने की बात कहकर ऐसी ही कोशिश की जा रही है। ऐसी ही कोशिश तब भी हुई थी जब राज्य के मुख्यमंत्री ने अपमानित किये गये आदिवासी युवक को अपने 'महल' में बुलाकर उसके पैर धोये थे, उसे फूलमाला पहनायी थी और उसके साथ बैठकर भोजन किया था। जी हां, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का यह प्रयास कुल मिलाकर अपनी कमीज दूसरे की कमीज से उजली बताने की एक कोशिश्के अलावा और कुछ नहीं था। इससे अधिक हास्यास्पद और क्या हो सकता है कि कुछ लोग मुख्यमंत्री के इस कृत्य की तुलना भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अपने बालसखा सुदामा के पांव पखारने से कर रहे थे!

हम यह भूल जाते हैं कि कृष्ण ने 'पानी-परात को हाथ छुओ नहीं, नैनन के जल सों पग धोये' थे। वे आंसू मित्र की दुर्दशा देख कर ही नहीं बहे थे, वे इस पश्चाताप के आंसू भी थे कि उनके राजा होते हुए उनके राज्य में किसी की ऐसी दशा क्यों हुई। इस बात को समझे बिना मध्यप्रदेश के शर्मनाक कांड की गंभीरता को नहीं समझा जा सकता। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री-कार्यालय ने इस बात का पूरा ध्यान रखा था कि मुख्यमंत्री द्वारा आदिवासी दलित के पांव पखारने वाला वह दृश्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। अखबारों में यह चित्र छपा था, टीवी चैनलों पर यह दृश्य बार-बार दिखाया गया था। गनीमत है मुख्यमंत्री जी ने घटना की सेल्फी लेने की आवश्यकता नहीं समझी, अन्यथा यह बात और गहरे से रेखांकित होती कि पीड़ित आदिवासी युवक के साथ सेल्फी खींच कर मुख्यमंत्री जी ने स्वयं को गौरवान्वित अनुभव किया।

यह सही है कि आदिवासी-दलित के मुंह पर पेशाब करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके मकान पर बुलडोजर भी चलाया जा चुका है। अब केस चलेगा। अदालत से इस अपराध की सजा भी अपराधी को मिल सकती है, लेकिन किसी एक को सजा देने से बात बनेगी नहीं। बात तब बनेगी जब पूरा समाज यह अनुभव करेगा कि किसी को कथित ओछी जाति का होने के कारण अछूत समझना कानून की दृष्टि से ही नहीं, मनुष्यता की दृष्टि से भी अपराध है। कभी किसी दलित युवक को घोड़ी पर बैठकर बारात निकालने से रोका जाता है और कभी किसी दलित युवक का मूंछें रखना कथित दबंगों को खल जाता है! भारतीय समाज के लिए यह तथ्य चिंता और शर्म का विषय होना चाहिए कि 21वीं सदी के तीसरे दशक के तीन सालों में देश में अनुसूचित जाति पर अत्याचार के डेढ़ लाख से अधिक मुकदमे दर्ज हुए हैं और हर साल इन मुकदमों की संख्या बढ़ी है! सन् 2018 में यह संख्या 42793 थी, 2019 में 45961 और 2020 में 50291 कुछ ही अर्सा पहले गुजरात के एक गांव में एक दलित ने अपनी शादी के निमंत्रण पत्र पर अपने नाम के साथ सिंह लिख दिया था।

स्टमक फ्लू

मानसून में रहता है ज्यादा खतरा

मानसून के इस मौसम में सभी लोगों को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। बरसात के दिनों में जलजमाव और गंदगी के कारण जहां कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, वहीं खान-पान में होने वाली गड़बड़ी के कारण स्टमक फ्लू होने का जोखिम भी अधिक रहता है। पेट के फ्लू को वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस भी कहा जाता है, जिसके कारण आपको पाचन से संबंधित कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस, मुख्यरूप से आंतों में होने वाला संक्रमण है जिसमें दस्त, पेट में ऐंठन, मतली-उल्टी के साथ कभी-कभी बुखार भी हो सकता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने या दूषित भोजन-पानी का सेवन करने के कारण यह दिक्कत हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों के साथ कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में इसका जोखिम अधिक होता है। बरसत के दिनों में इस तरह की समस्याओं से बचाव करते रहना बहुत आवश्यक माना जाता है।

लक्षण

गैस्ट्रोएंटेराइटिस के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के तुरंत बाद शुरू हो जाते हैं। लक्षण 1 से 14 दिनों तक रह सकते हैं। इसमें आपको पाचन में गड़बड़ी से संबंधित कई तरह की दिक्कतें होती हैं। दिन में 3 बार से अधिक पतला दस्त होना, बुखार या ठंड लगना, उल्टी और सिरदर्द, मांसपेशियों-जोड़ों में दर्द, पेट में ऐंठन और खाने की इच्छा न होना संकेत हो सकता है कि आपको स्टमक फ्लू हो गया है। स्टमक फ्लू के लक्षण डिहाइड्रेशन की स्थिति में और भी गंभीर हो सकते हैं।

तले हुए खाद्य पदार्थ से बचें

बाजार से लाकर तुंरत फलों-सब्जियों का सेवन न करें। अशुद्ध पानी बिल्कुल न पिएं। पानी को पहले उबालें और फिर इसे ठंडा करके ही पीना चाहिए।

खान-पान में लापरवाही

मानसून के दौरान गैस्ट्रोएंटेराइटिस या पेट संबंधी अन्य समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। इसका सबसे पहला कारण आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता की खराब होती है और दूसरा, मानसून के दौरान खान-पान को लेकर बरती गई असावधानियों को माना जाता है। भोजन के रखरखाव में गड़बड़ी, फलों-सब्जियों को अच्छे से साफ किए बिना उनका सेवन करने या अधपका-बासी भोजन करने के कारण गैस्ट्रोएंटेराइटिस हो सकता है।

कैसे करें बचाव

स्टमक फ्लू से बचाव के लिए सबसे आवश्यक है कि आप खान-पान की स्वच्छता को लेकर सावधानी बरतें। विशेषतौर पर इस मौसम में सब्जी-फलों को अच्छे तरीके से धोकर ही इनका सेवन किया जाना चाहिए। अपने हाथों को अच्छे से धोएं और सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे भी ऐसा करें। हाथों के माध्यम से भी बैक्टीरिया के पेट में पहुंचने का खतरा अधिक रहता है। जिन लोगों में यह संक्रमण हो, ऐसे किसी भी व्यक्ति के निकट संपर्क से बचें।

हंसना मना है

पत्नी द्वारा तलाक दिए जाने के बाद, एक व्यक्ति ने अपने दोस्त से पूछा -अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? दोस्त ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं। पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता है। सुनते ही जोर जोर से हंसने लगा दोस्त।

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से-तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके-अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए?

मायके से सोनू की पत्नी का फोन आया और बोली, क्या तुम मुझे याद करते हो? सोनू - पगली अगर कुछ याद करना इतना आसान होता, तो दसवीं में टॉप ना कर जाता?

साली-जीजा अगले 7 जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है। ये बात साइड में खड़ी बीवी सुन रही थी। उसके बाद जीजा जी को अगले कुछ दिनों तक एक ही आंख से देखना पड़ा।

डॉक्टर- तुम्हारे होंठ कैसे जल गए? आदमी- मायके जाने के लिए पत्नी को स्टेशन छोड़ने गया था! खुशी से इंजन को ही चूम लिया!

कहानी | मजदूर के जूते

एक बार एक शिक्षक संपन्न परिवार से सम्बन्ध रखने वाले एक युवा शिष्य के साथ कहीं टहलने निकले। उन्होंने देखा की रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते उतरे पड़े हैं, जो संभवतः पास के खेत में काम कर रहे गरीब मजदूर के थे जो अब अपना काम खत्म कर घर वापस जाने की तैयारी कर रहा था। शिष्य को मजाक सूझा उसने शिक्षक से कहा कि गुरु जी क्यों न हम ये जूते कहीं झाड़ियों के पीछे छिप जाएं, जब वो मजदूर इन्हें यहां नहीं पाकर घबराएगा तो बड़ा मजा आएगा! शिक्षक गंभीरता से बोले कि किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है। क्यों ना हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखें की इसका मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है! मजदूर जल्द ही अपना काम खत्म कर जूतों की जगह पर आ गया। उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाले उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ, उसने जल्दी से जूते हाथ में लिए और देखा की अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे, उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वो सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा। फिर उसने इधर-उधर देखने लगा, दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आया तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमें भी सिक्के पड़े थे मजदूर भावविभोर हो गया, उसकी आंखों में आंसू आ गए, उसने हाथ जोड़ ऊपर देखते हुए कहा-हे भगवान, समय पर प्राप्त इस सहायता के लिए उस अनजान सहायक का लाख -लाख धन्यवाद, उसकी सहायता और दयालुता के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को रोटी मिल सकेगी। मजदूर की बातें सुन शिष्य की आंखें भर आयीं। शिक्षक ने शिष्य से कहा- क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा जूते में सिक्का डालने से तुम्हें कम खुशी मिली? शिष्य बोला कि आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवन भर नहीं भूलूंगा। आज मैं उन शब्दों का मतलब समझ गया हूं जिन्हें मैं पहले कभी नहीं समझ पाया था कि लेने की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनंददायी है। देने का आनंद असीम है। देना देवत्त है।

कहानी से सीख-हमें इस कहानी से शिक्षा लेते हुए अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार जरूर कुछ न कुछ दान देना चाहिए और जरुरतमंदों की हर संभव मदद करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

वृषभ
राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है।

मिथुन
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है।

कर्क
शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

तुला
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा।

वृश्चिक
चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

धनु
चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी।

मकर
योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं।

कुम्भ
राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा।

मीन
फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

आलिया भट्ट करेंगी जासूसी

बॉलीवुड तड़का

आलिया भट्ट YRF स्पाई यूनिवर्स से जुड़ने वाली पहली फीमेल एक्टर बन गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया यूनिवर्स की आठवीं फिल्म फ्रेंचाइजी में नजर आएंगी। आलिया फिल्म में सुपर एजेंट के किरदार में दिखेंगी। YRF की फीमेल लीड वाली ये पहली फिल्म 2024 में रिलीज होगी। अब तक प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा की YRF स्पाई फिल्मों में सुपरस्टार के तौर पर सिर्फ मेल एक्टर्स को देखा गया। स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत 2012 में फिल्म 'एक था टाइगर' से हुई थी। शाहरुख खान की फिल्म पठान और ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर भी YRF यूनिवर्स का हिस्सा है। इस यूनिवर्स में बनने वाली सभी फिल्में जासूसी बैकग्राउंड पर बेस्ड होगी।

बिग एक्शन फिल्म में सुपर एजेंट के रोल में दिखेंगी आलिया

इससे पहले भी आलिया 2018 में आई फिल्म राजी में सीक्रेट एजेंट का रोल प्ले किया था। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य चोपड़ा और उनकी टीम ने इस फीमेल लीड फिल्म के लिए काफी प्लानिंग की है। YRF यूनिवर्स में आलिया जिस रोल में दिखेंगी, उस तरीके से आलिया को कभी किसी ने नहीं देखा होगा। ये बिग एक्शन फिल्म होगी। अब तक YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में सलमान खान, ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ, शाहरुख खान नजर आ चुके हैं। इस यूनिवर्स की अगली फिल्म टाइगर 3 में सलमान खान दिखेंगे। ये फिल्म 10 नवंबर को रिलीज होगी। वहीं, सलमान और शाहरुख खान टाइगर 1ह्य पठान में साथ नजर आएंगे। इसके अलावा जूनियर NTR ऋतिक रोशन के साथ अयान मुखर्जी की फिल्म वॉर 2 में दिख सकते हैं।

यश राज यूनिवर्स की 'वॉर 2' का डायरेक्शन करेंगे अयान

अयान ने बीते दिनों सोशल मीडिया पोस्ट में जिस नए प्रोजेक्ट का डायरेक्शन करने की बात कही थी वो फिल्म यश राज के स्पाई यूनिवर्स की 'वॉर 2' है। इस फिल्म में लीड रोल में ऋतिक रोशन नजर आएंगे। 2012 में प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'एक था टाइगर' के साथ स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत हुई थी। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी में 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर' और 'पठान' का नाम जुड़ गया। जल्द ही आलिया रणवीर सिंह के साथ फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखेंगी। करण जौहर की ये फिल्म 28 जुलाई को रिलीज होगी। आलिया फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन के साथ हॉलीवुड डेब्यू करने भी जा रही हैं।

बॉलीवुड मन की बात

आजकल सही तरह का काम ढूंढना मुश्किल है : स्नेहा जैन

टीवी एक्ट्रेस स्नेहा जैन, जो कृष्णदासी जैसे शो में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, ड्रॉमा सीरीज जन्म-जन्म का साथ के कलाकारों में शामिल हो गईं, लेकिन यह अचानक बंद हो गया। शो के अचानक बंद होने पर एक्ट्रेस ने कहा कि इन दिनों सही तरह का काम ढूंढना बहुत मुश्किल है। इस बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, आजकल सही तरह का काम ढूंढना बहुत मुश्किल है क्योंकि कई प्रोडक्शन हाउस और कई चैनल आ रहे हैं। कई नए अवसर और नए कलाकार हैं। तो, संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सही काम और सही अवसर मिलना मुश्किल हो जाता है। कभी-कभी आपको लगता है कि आप एक खास तरह का प्रोजेक्ट करना चाहते हैं लेकिन आपको वह नहीं मिल पाता है। कभी-कभी आपको प्रोजेक्ट मिल जाता है लेकिन यह इतने लंबे समय तक काम नहीं करता है। उन्होंने कहा कि जब आप उम्मीद करते हैं कि चीजें काम करेंगी, तो कई बार ऐसा नहीं होता क्योंकि कई शो दो-तीन महीनों के भीतर रद्द हो जाते हैं, जबकि कभी-कभी कोई ऐसा शो जिसके बारे में आपको नहीं लगता कि वह चलेगा, एक अभिनेता के पूरे करियर का निर्णायक पहलू बन सकता है। स्नेहा ने यह भी कहा, जब कोई अवसर आता है और आप अनिश्चित होते हैं कि आपको इसे लेना चाहिए या नहीं, और आप इसे अस्वीकार करते हैं, तो कोई अन्य अभिनेता पहले ही वह अवसर ले चुका होता है। बहुत सारे अभिनेता हैं, बहुत सारे अवसर हैं। तो, जब तक आपको कोई अवसर मिलता है तब तक आप उसे चूक चुके होते हैं। यह अस्तित्व में है और अस्तित्व में रहेगा।

गोरी मेम के घर गूंजी किलकारी

बॉलीवुड गपशप

विदिशा श्रीवास्तव ने बेटी को दिया जन्म

भाबीजी घर पर हैं की गोरी मेम यानी विदिशा श्रीवास्तव के घर किलकारियां गूंजी है। एक्ट्रेस ने बेटी को जन्म दिया है। 11 जुलाई 2023 को एक्ट्रेस ने गुड़िया को जन्म दिया है। एक्ट्रेस प्रेग्नेंसी के दौरान विदिशा ने लगातार काम किया था। 1 जुलाई से एक्ट्रेस ने सेट से छुट्टी ली थी। खबरों की माने तो विदिशा श्रीवास्तव के घर पर ही बेटी को जन्म दिया है। एक्ट्रेस लगभग 18 घंटे तक लेबर पेन में थी। एक्ट्रेस की नॉर्मल डिलीवरी हुई है। एक्ट्रेस का कहना है कि जैसे ही बेटी को देखा मेरा सारा दर्द गायब हो गया। बेटी को अपनी नजरों के सामने देखना किसी जादुई पल से कम नहीं था। एक्ट्रेस ने बेटी का नाम मां दुर्गा के नाम पर रखा है। एक्ट्रेस ने बताया है कि हमने अपनी बेटी का नाम भी सोच लिया है। हम बेटी का नाम मां दुर्गा के नाम पर रख रहे हैं आदया। आदया का अर्थ होता शक्ति और इसका दूसरा मतलब भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं अगले एक से डेढ़ महीने घर पर ही बेटी के साथ हूं। फिर देखती हूं जैसा भी होगा मैं काम शुरू करूंगी। मुझे लगता है कि मैं रेगुलर काम नहीं कर पाउंगी लेकिन जब जरूरत होगी मैं सेट पर पहुचं जाऊंगी।

यहां 8 लाख से ज्यादा लोगों को उतारा गया था मौत के घाट, औरतों को किया गया था किडनैप

इंसान ही जब इंसानियत का दुश्मन बन जाए और वहां की सरकार उसे कत्लेआम के लिए प्रेरित करे तो उसका परिणाम भीषण नरसंहार होता है। ऐसा ही एक नरसंहार 1990 के दशक में हुआ। इसमें 8 लाख से अधिक लोगों को निर्मम तरीके से मार दिया गया था। इसके अलावा लाखों औरतों को अपहरण कर सेक्स-स्लैव बनाकर रखा गया था।

कई लोगों की दूसरे समुदाय से आने वाले उनके पड़ोसियों, रिश्तेदारों ने हत्या कर दी थी। यहां तक कि कई लोगों ने अपनी पत्नियों की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी थी। यह सामूहिक वध पूर्वी अफ्रीकी स्थित देश रवांडा में हुआ था। यहां तुत्सी और हूतू समुदायों के बीच भयानक जनसंहार हुआ था। इसे तुत्सी के खिलाफ नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है। नरसंहार में हूतू जनजाति से जुड़े चरमपंथियों ने अल्पसंख्यक तुत्सी समुदाय के लोगों को निशाना बनाया था। रवांडा की कुल आबादी में हूतू समुदाय का हिस्सा 85 प्रतिशत है। इसके बाद भी लंबे समय तक तुत्सी अल्पसंख्यकों का देश पर दबदबा था। 6 अप्रैल 1994 को रवांडा के तत्कालीन राष्ट्रपति जुवेनल हाबयारिमाना और पड़ोसी बुरुंडी के राष्ट्रपति केपरियल नतारयामिरा एक विमान से जा रहे थे। गया था। विमान में सवार सभी लोग इसमें मारे गए थे। बता दें कि ये दोनों नेता हूतू समुदाय से आते थे। जहाज किसने गिराया था, इसका पुख्ता सबूत नहीं मिला था। लेकिन कुछ लोगों ने हूतू चरमपंथियों को इसके लिए जिम्मेदार माना था। जिससे कि नरसंहार का बहाना मिल सके। वहीं कुछ लोगों ने तुत्सी समर्थित रवांडा पैट्रिएक फ्रंट को इसका जिम्मेदार माना था। इसके बाद हूतू कट्टरवादियों ने तुत्सी समर्थित रवांडा पैट्रिएक फ्रंट को जिम्मेदार बताकर अगले दिन 7 अप्रैल को कत्लेआम शुरू किया। उन्होंने अगले 100 दिनों तक अल्पसंख्यक तुत्सी समुदाय के लोगों की नृशंस हत्या की। हूतू चरमपंथियों ने आरटीएलएम नाम का एक रेडियो स्टेशन स्थापित किया था, जिससे चरमपंथियों को निर्देश देते हुए घोषणा की गई थी कि तिलचट्टों को साफ़ करो।

अजब-गजब

12वीं सदी में राजा अमृतपाल देव ने कराया था इस मंदिर का निर्माण

न ईंट न ही सीमेंट, 108 पिलरों पर खड़ा है 12वीं सदी का यह तीन मंजिला मंदिर

डूंगरपुर। सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में भगवान शिव के मंदिरों में शिव भक्तों के दर्शन का महत्व बढ़ जाता है। आज हम आपको ऐसे मंदिर के बारे बतानेवाले है जो कि एक हजार साल पुराना है। इस मंदिर की खास बात ये है कि 108 खंभों पर बिना सीमेंट और ईंट के बना हुआ है। यह मंदिर गुजरात के सोमनाथ मंदिर के तर्ज पर बनाया गया है। इस मंदिर का नाम देवसोमनाथ है।

डूंगरपुर के देव गांव में सोम नदी के किनारे बसा देव सोमनाथ मंदिर है। इस मंदिर की कलाकृति इतनी बेजोड़ है कि मंदिर पर भूकंप भी बेअसर होता है। मंदिर का नाम गांव के देव और यहां से निकलने वाली सोम नदी से देव सोमनाथ पड़ा। मंदिर में हजार साल से भी अधिक पुराने शिवलिंग की पूजा होती है। कहते हैकि 12वीं सदी में राजा अमृतपाल देव ने इसका निर्माण कराया था। तीन मंजिला मंदिर को खड़ा रखने के लिए तब 108 खंभे बनाए गए थे। वहीं, कुछ लोगों का ये भी कहना है कि ये मंदिर एक रात में चूहें द्वारा बनाया गया मंदिर है।

डूंगरपुर से 20 किलोमीटर दूर स्थित शिव मंदिर में दो स्वयं-भू शिवलिंग के साथ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं। यह स्थान स्थापत्य कला की मिसाल है। देव गांव होकर गुजरती सोम नदी के किनारे बसे होने के कारण इस मंदिर का नाम देव सोमनाथ पड़ा था। वर्तमान में मंदिर की देखरेख की जिम्मेदारी पुरातत्व विभाग की है। इसको गुजरात में बने हुए सोमनाथ मंदिर के जैसा भी माना जाता है। कुल 108 खंभों पर टिके हुए तीन मंजिला इस मंदिर की कलाकृति बेजोड़ है। हर खंभे पर खूबसूरत नक्काशी की हुई है। बताया जाता है कि चूने और गारे से बने इन खंभों में पत्थरों को जोड़ने के लिए किसी तरह का केमिकल नहीं मिलाया गया है। चिनाई वाले पत्थरों को काटकर इन्हें एक-दूसरे में जोड़ा गया है। जो भूकंप के झटकों में भी साथ नहीं छोड़ते। इसकी यही खूबी इतिहासकारों के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है।

पंजाब के लोगों की इच्छा का गला न घोंटा जाए : मान

» राज्यपाल को लिखा पत्र, कहा- विधेयक पर हस्ताक्षर करें गवर्नर

» हरमंदिर साहिब से पावन गुरबाणी के प्रसारण का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में राज्यपाल व मुख्यमंत्री के बीच खींचतान जारी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्यपाल से अपील की है कि दि सिख गुरुद्वारा एक्ट-1925 में प्रस्तावित संशोधन को मंजूरी दी जाए। ताकि श्री हरमंदिर साहिब से पावन गुरबाणी के प्रसारण से बादल परिवार के एकाधिकार को खत्म किया जा सके।

साथ ही श्री हरमंदिर साहिब से सरब सांझी गुरबाणी का प्रसारण विभिन्न चैनलों और मीडिया के माध्यम से सभी के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराया जा सके। हालांकि सीएम ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट में लिखा है कि गुरबाणी के टेलीकास्ट को दोबारा फिर बादल परिवार की कंपनी के खास लोगों के हाथ में नहीं जाने दिया जाएगा।

एक राजनीतिक परिवार का है कब्जा

राज्यपाल को लिखे पत्र में सीएम भगवंत मान ने दुख जताया है कि एक राजनीतिक परिवार के स्वामित्व वाले एक विशेष चैनल ने श्री हरमंदिर साहिब से सरब सांझी गुरबानी के प्रसारण पर एकाधिकार कर लिया है और इससे वह मुनाफा कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र गुरुओं की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करने और श्री हरमंदिर साहिब से सरब सांझी गुरबानी का प्रसारण सभी के लिए निशुल्क उपलब्ध सुनिश्चित करने के लिए सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक, 2023 विधानसभा में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि धारा 125-ए को सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 में जोड़ा गया था। विधानसभा द्वारा इसे बहुमत से पास किया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक 26 जून 2023 को राज्यपाल के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया था लेकिन आज तक उस पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। यह पंजाब के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा का गला घोंटना है। उक्त चैनल के साथ एसजीपीसी का समझौता 23 जुलाई 2023 को समाप्त हो जाएगा। यदि विधेयक को तुरंत मंजूरी नहीं दी तो ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है कि दुनिया भर में लाखों श्रद्धालु श्री हरमंदिर साहिब से पवित्र गुरबानी का सीधा प्रसारण देखने से फिर से वंचित हो जाएंगे।

राहुल कलाटे ने छोड़ा उद्धव ठाकरे का साथ

» शिंदे गुट में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे गुट को एक और बड़ा झटका लगा है. चिंचवाड़ के राहुल कलाटे शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे, इन विधायकों के साथ-साथ शिवसेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शिवसेना में शामिल होंगे, उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काम करने की इच्छा जतायी है।

एबीपी माझा के अनुसार, राहुल कलाटे आज पिंपरी चिंचवाड़ के चार पूर्व नगरसेवकों के साथ शिवसेना में शामिल होंगे। बगावत के एक साल बाद भी ठाकरे को झटके पर झटका लग रहा है। शिंदे की शिवसेना को छोड़कर अब राहुल कलाटे एकनाथ शिंदे गुट का दामन थामने वाले हैं। कुछ दिन पहले, शिवसेना नेता मनीषा कायंदे और नीलम गोरे शिंदे समूह में शामिल हो गई थी।

कांग्रेस से जुड़ा रहा कलाटे परिवार

कलाटे परिवार 2001 से पहले कांग्रेस में था। साल 2002 में राहुल कलाटे एनसीपी के टिकट पर नगर निगम का चुनाव हार गए। 2014 विधानसभा में शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ा, दूसरे नंबर पर वोट मिले। 2017 में पहली बार शिवसेना से नगरसेवक बनीं। नगर पालिका में शिवसेना के गुट नेता भी थे और नगर अध्यक्ष भी। 2019 विधानसभा गठबंधन के दौरान बगावत कर दी। एनसीपी, कांग्रेस और अनवंचित का समर्थन मिला। उन्होंने दिवंगत बीजेपी विधायक लक्ष्मण जगताप के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

तमिलनाडु में द्रमुक नेता के घर पर ईडी के छापे

» मंत्री और उनके सांसद बेटे के परिसरों को खंगाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। बंगुलरू में कल प्रस्तावित विपक्षी दलों के बैठक के एक दिन पहले तमिलनाडु में द्रमुक नेता उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी तथा उनके बेटे एवं सांसद गौतम सिगमनी के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में सोमवार को छापेमारी की है। उसके बाद से राज्य की सियासत गरमा गई है। द्रमुक ने इसे सियासी बताया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि राजधानी चेन्नई के अलावा विलुपुरम में पोनमुडी और सिगमनी से जुड़े परिसरों पर तलाशी ली जा रही है। धन शोधन का यह मामला उस समय (2007 से 2011 तक) बरती गई कथित अनियमितताओं से जुड़ा है, जब पोनमुडी तमिलनाडु के खनन मंत्री थे। उन पर खदान लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन के आरोप लगे थे। इससे सरकारी खजाने को लगभग 28 करोड़ रुपये का नुकसान होने का दावा किया गया था। ईडी ने हाल ही में वरिष्ठ द्रमुक नेता और तमिलनाडु के परिवहन मंत्री सेंथिल बालाजी के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की थी।

राजनीतिक प्रतिशोध के तहत छापेमारी

द्रमुक ने पोनमुडी और सिगमनी के खिलाफ छापेमारी को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया है। ईडी ने यह छापेमारी उस दिन की है, जब द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन बेंगलुरु में कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में हिस्सा लेने वाले हैं। हालांकि, ईडी की कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक जानकारी अभी तक नहीं आई है।

आज से फिर यूपी में जोरदार बारिश के आसार

» मौसम विभाग ने किया अलर्ट जारी

» गंगा के जल स्तर ने तोड़ा 12 साल का रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम विभाग ने कहा है दो दिन हल्की बारिश के बाद सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में झमाझम बारिश हो सकती है। रविवार को भले ही थोड़ी राहत रही हो पर एक बार फिर से मानसून करवट ले रहा है। मौसम विभाग ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग का अनुमान हे कि कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर मे वज्रपात और बारिश होगी। वहीं बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, महोबा, झांसी, ललितपुर में भारी बारिश का अनुमान है।

दिल्ली में नहीं थम रहा बाढ़ का कहर

राजधानी में यमुना नदी का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ जाने से दिल्ली में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार अलर्ट है। लेकिन अब धीर-धीरे यमुना के जलस्तर में कमी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज भी बारिश होने की संभावना जताई है। जिससे दिल्लीवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सोमवार की सुबह नौ बजे यमुना नदी का जल स्तर 205.58 मीटर दर्ज किया गया, जो सुबह आठ बजे 205.50 मीटर दर्ज किया गया था। वहीं दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई है। यमुना के जलस्तर में फिर मामूली बढ़ोतरी देखी गई है।

प्रदेश की नदियां उफान पर

लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा के जल स्तर ने 12 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। बदायूं के कचलाब्रिज पर वर्ष 2010 में अधिकतम 162.79 मीटर तक पानी का स्तर गया था। गत दिवस यहां जल स्तर 162.80 मीटर हो गया। इसके अलावा यमुना, सरयू, रामगंगा आदि नदियां भी उफान मार रही हैं। हालांकि अन्य जिलों को लेकर गंगा क्षेत्र को येलो जोन में ही रखा गया है। सिंचाई विभाग के आंकड़े बताते हैं गंगा का जलस्तर कुछ स्थानों पर ज्यादा बढ़ा है। बदायूं में सबसे ज्यादा जलस्तर बढ़ा है। हालांकि इस समय स्थिति यहां स्थिर है पर पिछले 12 सालों के सर्वाधिक स्तर पर यहां गंगा बह रही है। जलस्तर अभी और बढ़ने का अनुमान जताया जा रहा है। नरौरा बुलंदशहर में भी जल स्तर 178 मीटर के पार चला गया है। यहां भी गंगा बेहद उफान पर है। मथुरा में यमुना खतरे के निशान को छूकर बह रही है। यही हाल बाराबंकी में सरयू का भी है। अनुमान है कि गंगा के गोमती, सरयू, रागंगा, राप्ती आदि के क्षेत्र में मध्यम स्तरीय बारिश होगी।

अल्कराज विंबलडन के नए सरताज, हारे नोवाक

» जोकोविच का फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी का सपना टूटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विंबलडन। स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल मुकाबले के फाइनल मैच में नोवाक को मात दे दी। ये मुकाबला पूरे पांच घंटे तक चला। इस मुकाबले में 20 वर्षीय कार्लोस ने 36 वर्षीय नोवाक को कड़ी टक्कर दी। विश्व नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने विंबलडन 2023 का खीताब जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो एटीपी रैंकिंग के दूसरे पायदान के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से एक कदम आगे है।

इस बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल करने के साथ ही नोवाक जोकोविच के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के आठ खिलाब के रिकॉर्ड की बराबरी करने का सपना भी अधूरा रह गया। स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल मुकाबले के फाइनल मैच में नोवाक को मात दे दी। ये मुकाबला पूरे पांच घंटे तक चला। इस मुकाबले में 20 वर्षीय कार्लोस ने 36 वर्षीय नोवाक को कड़ी टक्कर दी। कई सेट ऐसे रहे जिसमें नोवाक को काफी मशक्कत करनी पड़ी। खेल की बात करें तो पहला सेट 6–1 से आसानी से नोवाक जोकोविच ने जीता था। इसके बाद लगातार नोवाक दो मैच हार गए। कार्लोस ने पहला ही सेट हारने के बाद दमदार वापसी की और नोवाक को लगातार दो सेटों में मात देने में सफलता पाई। दूसरा सेट 7–6 और तीसरा 6–1 से कार्लोस ने अपने नाम किया।

टॉप पर पहुंचे कार्लोस

बता दें कि विंबलडन फाइनल मुकाबले जीतने के बाद अलकराज एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए है जबकि नोवाक जोकोविच अब भी दूसरे स्थान पर बने हुए है। बता दें कि फाइनल से पहले सेमीफाइनल में अलकराज ने दानिल मेदवेदेव को मात दी थी। वहीं जोकोविच ने यानिक सिनर को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था।

सीह सू-वेई और स्ट्राइकोवा को महिला युगल का खिताब

ताइवान की सीह सू-वेई और चेक गणराज्य की बारबरा स्ट्राइकोवा ने रविवार को यहां बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स और ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर को हराकर दूसरी बार विंबलडन का महिला युगल खिताब जीता। सू-वेई और स्ट्राइकोवा की जोड़ी ने फाइनल में बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को सीधे सेट में 7-5, 6-4 से हराया। सू-वेई ने बैकहैंड से दूसरा मैच प्वाइंट जीता जिससे 2019 की विंबलडन चैंपियनशिप जोड़ी ने विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर खिताब अपने नाम किया।

लोस चुनाव की रणनीति पर चर्चा करेगा विपक्ष

बेंगलुरू की सड़कों पर विपक्षी नेताओं के लगे बड़े पोस्टर

» आज और कल बेंगलुरू में जुटेंगे 26 दल

» सोनिया व राहुल रवाना, पवार कल होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। 2024 में भाजपा की मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कांग्रेस समेत लगभग 26 दल आज से बेंगलुरु में जुटेंगे। विपक्षी दलों की दूसरी बैठक होने जा रही है। इस बैठक में में बीजेपी को घेरने के लिए दो दिनों तक मंथन होगा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी 10 जनपथ से बेंगलुरु के लिए रवाना हो गए है। दो दिवसीय संयुक्त विपक्ष की बैठक के लिए आगे की रणनीति पर भी विचार होगा।

विपक्षों दलों की बैठक की सभी तैयारियों की निगरानी के लिए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सभी विपक्षी नेताओं के लिए शहर के एक पांच सितारा होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं का स्वागत करते हुए रेस कोर्स रोड पर बड़े पोस्टर और बैनर लगाए गए। बैठक आज और कल बेंगलुरु के ताज वेस्ट एंड होटल में होगी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार ने कहा, देश की सभी विपक्षी पार्टी आज एक साथ एक नई शुरुआत के लिए एक मंच पर इकट्ठा हुई है। यह देश के कल को बनाने के क्रम में एक और कदम है, मैं और कर्नाटक के मुख्यमंत्री इस बैठक की मेजबानी करेंगे। आप सबका यहां आने के लिए बेहद शुक्रिया। बेंगलुरु में संयुक्त विपक्ष की बैठक पर कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने बताया शरद पवार आज नहीं लेकिन कल बैठक में शामिल होंगे। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार को कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी, जयराम रमेश और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल सुबह 11 बजे एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। सभी विपक्षी नेता दोपहर में बैठक के लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। शाम 6 बजे एक अनौपचारिक बैठक निर्धारित है, जिसके बाद रात 8 बजे रात्रिभोज होगा। 18 जुलाई को बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी और शाम 4 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार रणनीति की घोषणा की जा सकती है।

2024 में पूरे देश में जनादेश होगा : डीके शिवकुमार

संयुक्त विपक्ष की बैठक पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ को छोड़कर इस देश की सभी विपक्षी पार्टियां एक अच्छी शुरुआत के लिए एक साथ आई हैं...यह किसी एक राजनीतिक दल की बैठक नहीं है, यह विभिन्न मुद्दों पर पीड़ित 140 करोड़ लोगों के भविष्य के लिए इस देश को आकार दे रही है, हमें लगता है कि इस समझ और एकता के साथ, हम इसे आगे बढ़ाएंगे और परिणाम सामने आएंगे। जैसे कर्नाटक ने हमें जनादेश दिया, पूरा देश हमें 2024 में जनादेश देगा।

पटना वाली बैठक के बाद पीएम को एनडीए का ख्याल आया : जयराम

बेंगलुरु में होने जा रही विपक्ष की बैठक पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, कि कुछ नेता आज नहीं आ रहे हैं कल आएंगे और यह बैठक कल सुबह होने वाली है। 11 बजे बैठक शुरू होगी और शाम 4 बजे सभी पार्टियों के नेता देश को संबोधित करेंगे लेकिन हमारी पटना के बैठक के बाद अचानक प्रधानमंत्री को एनडीए का ख्याल आया। एनडीए में एक नई जान फूंकने की कोशिश की जा रही है।

सोनिया-राहुल भी होंगे शामिल

सूत्रों ने कहा कि इस बात पर भी चर्चा हो सकती है कि भाजपा के खिलाफ 80 प्रतिशत लोकसभा सीटों पर एक साझा विपक्षी उम्मीदवार कैसे खड़ा किया जाए। राज्यों में गठबंधन कैसे किया जाए और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में टिकट कैसे वितरित किए जाएं। बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित विपक्ष के सभी बड़े नेताओं के बेंगलुरु में होने वाली महत्वपूर्ण विपक्षी बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

2024 की दिशा बदल जाएगी : राम गोपाल

समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद राम गोपाल यादव ने विपक्षी दलों की बैठक को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस बैठक से 2024 की दिशा बदल जाएगी।

सीट बंटवारे पर होगी चर्चा : राउत

विपक्ष की बैठक पर सांसद संजय राउत ने कहा, यह बैठक विपक्ष की बैठक नहीं बल्कि इस देश में जो तानाशाही चल रही है उसके खिलाफ जो लोग देश को आगे लेकर जाना चाहते हैं। ऐसे प्रमुख राजनीतिक दलों की बैठक है। बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा, जो फ्रंट बनेगा उसका नाम क्या होगा उस पर चर्चा होगी। पवार साहब आज नहीं आएंगे लेकिन कल सुबह वे बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में ईवीएम मशीन पर भी चर्चा होगी।

ममता बनर्जी भी बैठक में होंगी शामिल

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के बुलावे के बाद पैर में चोट लगने के बावजूद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी विपक्ष की बैठक में आने वाली हैं। इससे पहले पटना बैठक में 16 विपक्षी दलों को आमंत्रित किया गया था और उनमें से 15 ने बैठक में भाग लिया।

विपक्ष की बैठक में जेडीएस शामिल नहीं होगा : कुमारस्वामी

बेंगलुरु में संयुक्त विपक्ष की बैठक पर जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी एचडी कुमारस्वामी ने कहा, कि विपक्ष ने कभी भी जेडीएस को अपना हिस्सा नहीं माना इसलिए जेडीएस के किसी भी महागठबंधन की पार्टी होने का कोई सवाल ही नहीं है। एनडीए ने हमारी पार्टी को किसी बैठक के लिए आमंत्रित नहीं किया है।

पुंछ में एलओसी पर दो घुसपैठिए ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने चक्कां दा बाग इलाके में एक घुसपैठिए को मार गिराया है। अभी मौके पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सेना ने बताया कि पुंछ सेक्टर में ऑपरेशन बहादुर के तहत भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में बड़ी घुसपैठ की कोशिश को विफल किया है। रविवार-सोमवार की रात के दौरान पुंछ सेक्टर में दो घुसपैठियों को ढेर कर दिया गया है। तलाशी अभियान जारी है।

हंदवाड़ा में 12 किलो वजनी दो आईईडी बरामद

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके में सुरक्षाबलों ने आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। सेना और पुलिस की टीम ने संयुक्त अभियान में एनएच 701 के पास वोधपुरा के जंगल क्षेत्र से दो आईईडी बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर सेना और हंदवाड़ा पुलिस ने आज तड़के वोधपुरा जंगल में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जंगल से पांच और सात किलोग्राम के दो अत्याधुनिक आईईडी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि टीम ने तुरंत पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ इलाके की घेराबंदी की। इसके बाद बम निरोधक दस्ते आईईडी का नियंत्रित विस्फोट किया।

पाकिस्तान से आए हथियार से हुई थी मूसेवाला की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए के सूत्रों के अनुसार, मूसेवाला हत्याकांड में प्रयुक्त हथियार पाकिस्तान से आए थे। पाकिस्तान के हामिद नाम के आर्म्स तस्कर ने इन हथियारों की सप्लाई की थी। सूत्रों के अनुसार, हामिद दुबई में रहता है।

सरकार द्वारा सुरक्षा में कटौती के 24 घंटे से भी कम समय में 29 वर्षीय मूसेवाला की पिछले साल 29 मई को दिनदहाड़े मानसा जिले में उनके पैतृक गांव के पास गैंगस्टरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

फोटो:4 पीएम

इस्तीफा मऊ जिले के घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान ने यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सौंपा अपना इस्तीफा, यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी भी रहे मौजूद।

मध्य प्रदेश में वंदे भारत में लगी आग, बड़ा हादसा टला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भोपाल-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन के बैटरी बॉक्स में आग लगने की घटना सामने आई है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत ट्रेन के एक कोच के बैटरी बॉक्स में आग लग गई। कोच में 20-22 यात्री थे और उन्हें तुरंत दूसरे कोच में शिफ्ट कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि कुछ रेलवे कर्मचारियों ने सुबह करीब 6.45 बजे सी-12 कोच के बैटरी बॉक्स में आग देखी, जिसके बाद रानी कमलापति-हजरत निज़ामुद्दीन वंदे भारत ट्रेन को विदिशा जिले के कुरवाई और कैथोरा स्टेशनों के बीच तुरंत रोक दिया गया। बताया जा रहा है कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गय। अधिकारी ने बताया कि रेलवे कर्मचारी मरम्मत कार्य कर रहे थे।

राजनाथ से मिले, सौंपा ज्ञापन

» क्लबों में भारतीय परिधानों पर से प्रतिबंध हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोशिएसन पूर्व चेयरमैन प्रशान्त भाटिया ने लखनऊ सहित देश भर के ऐसे क्लबों में प्रवेश हेतु भारतीय परिधानों पर लगे प्रतिबंध को हटाने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा कानून बनवाकर इस अंग्रेजियत की मानसिकता को समाप्त करने हेतु सख्त कदम उठाए जाने की मांग की है। उन्होंने यह मांगपत्र रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा।

उन्होंने रक्षा मंत्री से अनुरोध किया जिम खाना क्लब, एमबी क्लब व गोल्फ में भारतीय कपड़ों में ना आने की मनाही को खत्म करने का आग्रह किया। श्री भाटिया ने कहा कि ऐसे लोगों पर कार्यवाही की जाए ताकि ये लोग दुबारा ऐसा न कर सकें। इससे पहले देश के रक्षामंत्री अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में एक अलग अंदाज में नजर आए। उन्होंने ओपन जिम में कसरत की और लोगों से बातचीत की। उनका जिम करते हुए अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। आसपास मौजूद लोगों ने भी उनकी सराहना की। वहीं, सोशल मीडिया पर भी लोग उन्हें इस तरह देखकर खुश हुए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।